

विशेष रिपोर्ट

03 मई 2023

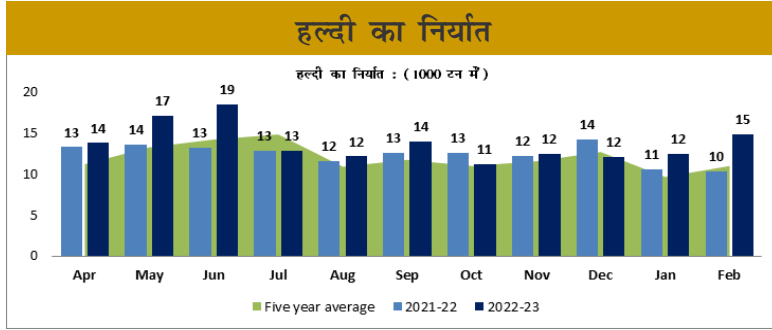
# मसाले

मई 2023



# हल्दी

अप्रैल में हल्दी की कीमतें दबाव में रहीं और लगातार चौथे महीने गिरावट जारी रही। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आवक के बढ़ते दबाव और मसाला मिलों की ओर से सुस्त खरीददारी से बाजार का सेंटिमेंट कमजोर रहा। हल्दी वायदा अप्रैल-23 में 6460 के अपने न्यूनतम स्तर पर फिसल गया, जो पिछले महीने के बंद भाव 6952 की तुलना में 7% कम है।



### हल्दी वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2023	11.20%	-2.34%	-4.81%	-1.67%	3.98%							
2022	4.37%	-6.68%	-6.34%	-3.01%	-6.96%	-1.29%	-1.61%	-4.30%	-2.92%	5.99%	-1.07%	15.22%
2021	10.67%	36.67%	2.26%	8.08%	-0.08%	6.27%	0.72%	8.85%	-4.78%	-0.02%	1.77%	17.90%
2020	9.22%	0.74%	-3.23%	-3.55%	-5.66%	-3.10%	0.07%	-8.31%	-6.05%	0.92%	-3.01%	7.01%
2019	-5.07%	-1.54%	-3.07%	5.82%	8.22%	6.98%	6.18%	6.47%	5.14%	-0.22%	-7.01%	15.12%

बांग्लादेश, मोरक्को और ईरान से बढ़ती मांग के कारण फरवरी-23 में हल्दी के निर्यात में तेजी से उछाल आया। भारत ने पिछले वर्ष के 10.3 हजार टन के मुकाबले फरवरी-23 में लगभग 14.8 हजार टन हल्दी का निर्यात किया। अप्रैल 22-फरवरी-23 के दौरान हल्दी का कुल निर्यात पिछले वर्ष के 137 हजार टन के मुकाबले 151 हजार टन दर्ज किया गया, जो साल-दर-साल 10% अधिक है।

## आउटलुक

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर सामान्य से कम आवक के कारण आने वाले सप्ताहों में हल्दी की कीमतों के तेजी के रुझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की संभावना है। प्रीमियम गुणवत्ता की कम आपूर्ति के बीच बेहतर निर्यात मांग के कारण कीमतों में शॉर्ट कवरींग की उम्मीद है। एपीएमसी यादों में कुल आवक पिछले वर्ष की तुलना में कम है, क्योंकि पिछले वर्ष के 98 हजार टन की तुलना में अप्रैल-23 में लगभग 69.3 हजार टन बाजार में आवक हुई थी। बेहतर निर्यात पृष्ठताछ और कम उत्पादन अनुमान से कीमतों की तेजी को समर्थन मिलने की संभावना है। महाराष्ट्र में उत्पादन क्षेत्र में गिरावट के कारण कुल उत्पादन में साल-दर-साल 7%-10% की गिरावट का अनुमान है। निजामाबाद में आवक पूरे जोरों पर है और मराठवाड़ा में इसके बढ़ने की उम्मीद है। भारत के उत्तरी हिस्से में स्थानीय मांग में कमी आई है, जहां आपूर्ति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। बाजार में भारी स्टॉक है और स्टॉकिस्ट कीमतों में हर वृद्धि पर अपने स्टॉक को जारी करने की कोशिश कर रहे हैं।

## हल्दी वायदा का मासिक चार्ट



हल्दी के भारी स्टॉक के मद्देनजर हल्दी वायदा ( जून ) की कीमतों को 6500 के पास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है और निकट अवधि में 7750 पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

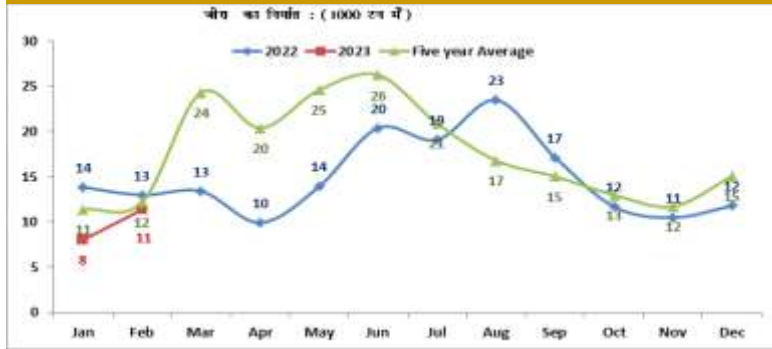
बाजार में आपूर्ति की कमी को लेकर जारी चिंताओं के कारण अप्रैल में जीरा वायदा की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। कम कैरीओवर स्टॉक और बाजार में सामान्य से कम आवक के कारण जीरा की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। कारोबारियों ने कीमतों में बड़ी तेजी की उम्मीद में खरीदारी गतिविधियों में सक्रिय रुचि दिखाई। अप्रैल-23 के अंत तक एनसीडीईएक्स पर जीरा की कीमतें पिछले एक साल में दोगुनी होकर 43750 पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा मजबूत निर्यात मांग और वैश्विक स्तर पर पाइपलाइन स्टॉक में भारी कमी के कारण कीमतों में तेजी को मदद मिली।

राजस्थान और गुजरात में बेमौसम बारिश से फसल के नुकसान और उपज के नुकसान को लेकर चिंता बढ़ गई है। फसल के नुकसान के कारण बाजार में बड़े आपूर्ति अंतर के बढ़ते डर ने कारोबारियों को कीमतों में हर गिरावट पर खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया। बाजार इस सीजन में जीरे की कम उपज और गुणवत्ता की उम्मीद कर रहा है, जिससे घरेलू और निर्यात खरीदारों की ओर से मांग बढ़ी है। गुजरात और राजस्थान में बेमौसम बारिश की वजह से फसल की स्थिति को लेकर चिंता और देरी से कटाई से जीरे की कीमतों में तेजी आई।

## जीरा वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2023	4.40%	1.81%	11.20%	22.81%	9.98%							
2022	13.75%	8.88%	1.80%	1.81%	-8.10%	6.54%	11.84%	5.74%	-2.27%	-2.95%	9.48%	16.20%
2021	6.88%	8.30%	9.17%	-5.31%	-8.97%	-2.88%	-2.71%	8.69%	1.57%	2.29%	6.70%	1.70%
2020	-12.20%	-2.28%	3.25%	1.49%	-3.48%	8.70%	3.44%	0.89%	-3.58%	5.35%	-4.58%	8.28%
2019	8.73%	-3.38%	2.01%	7.75%	2.88%	8.81%	2.71%	-2.20%	1.83%	4.83%	-8.72%	-0.25%
Avg	1.46%	0.16%	5.91%	5.44%	-0.71%	-0.74%	8.27%	2.78%	-0.73%	0.07%	1.34%	4.50%

## जीरा का निर्यात



घरेलू उत्पादन में गिरावट के कारण हाल के महीने में भारत से जीरा का निर्यात कम हुआ है। वर्ष 2023 में भारत ने जनवरी-फरवरी के दौरान पिछले वर्ष के 27 हजार टन और पांच साल के औसत 23 हजार टन की तुलना में केवल 19 हजार टन जीरा का निर्यात किया है। हाल के महीनों में चीन से मांग बढ़ी है जिससे भारत में जीरे की कीमतों को समर्थन मिला है।

## आउटलुक

बाजार में आपूर्ति की कमी को लेकर मौजूदा चिंताओं के कारण जीरा की कीमतें अधिक रहने की उम्मीद है। 69 लाख बोरी की कुल आपूर्ति के मुकाबले जीरे की वार्षिक मांग 85 लाख बैग (1 बैग=55 किलो) होने का अनुमान है। फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस स्टेकहोल्डर्स ने इस साल फरवरी में जीरा का एक फसल अनुमान तैयार किया, जिसमें 2022-23 में जीरा का उत्पादन 3.84 लाख टन (प्रत्येक 55 किलोग्राम के 69.96 लाख बैग) होने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले साल के 3.01 लाख टन से 28% अधिक है।

लेकिन, राजस्थान और गुजरात में फसल की क्षति और कटाई में देरी के कारण उत्पादन में संशोधन की संभावना है। भारत के उत्तरी भाग में बेमौसम वर्षा और राजस्थान में ओलावृष्टि ने कटाई गतिविधियों को प्रभावित किया है। राजस्थान में फसल कटाई का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और बेमौसम बारिश के कारण फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। नई फसल की आवक में सुधार हुआ है लेकिन कम उत्पादन के कारण अभी भी सामान्य से कम दर्ज की गई है। चीन से मजबूत निर्यात मांग और गुजरात में कम उत्पादन से कीमतों की तेजी को समर्थन मिलने की संभावना है। कम रकबे और उपज नुकसान के कारण गुजरात में जीरा का उत्पादन साल-दर-साल 9% घटकर 200.78 हजार टन रहने का अनुमान है। बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति बढ़ने से जीरे की मौसमी निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद है।

आपूर्ति में कमी को लेकर मौजूदा चिंताओं के कारण जीरे की कीमतों में तेजी जारी रहने की संभावना है। लेकिन, मई में नई फसल की बढ़ती आपूर्ति के साथ रुक-रुक कर कीमतों में गिरावट देखी जा सकती है। इसके अलावा, उच्च स्तर पर मांग धीमी होगी क्योंकि कीमतों में गिरावट की उम्मीद में छोटे व्यापारी थोक खरीद से बचेंगे।

## जीरा वायदा का मासिक चार्ट



तकनीकी रूप से, जीरा की कीमतों के आने वाले हफ्तों में धीरे-धीरे 51100 के रेजिस्टेंस की ओर बढ़ने की संभावना है, जबकि निकट अवधि में 40000 पर सपोर्ट रह सकता है।



# धनिया

बढ़ते आवक दबाव के कारण अप्रैल में धनिया वायदा की कीमतों में गिरावट जारी रही। बाजार में पर्याप्त आपूर्ति के मुकाबले धनिया की कमजोर मांग ने अप्रैल में कीमतों पर दबाव बनाए रखा। अप्रैल में धनिया की कीमत पिछले महीने से 5% कम होकर 6330 पर आ गई। राजस्थान और गुजरात में अधिक उत्पादन के कारण आपूर्ति बढ़ी। धनिया के तहत उत्पादन क्षेत्र में तीव्र वृद्धि और बेहतर उपज के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 के दौरान गुजरात में धनिया का उत्पादन वर्ष-दर-वर्ष 81% बढ़कर 376 हजार टन होने का अनुमान है।

## धनिया का निर्यात और आयात :

भारत से धनिया का निर्यात फरवरी-23 में वर्ष-दर-वर्ष 58% बढ़कर 3.68 हजार टन हो गया क्योंकि कीमतों में लगातार गिरावट के साथ भारतीय धनिया सस्ता हो गया। लेकिन, अप्रैल 22-फरवरी 23 की समयावधि के दौरान कुल निर्यात में 7.3% की कमी आई है।

भारत ने पिछले वर्ष के 34.77 हजार टन की तुलना में अप्रैल 22-फरवरी 23 की समयावधि के दौरान लगभग 32.23 हजार टन का निर्यात किया। मलेशिया भारतीय धनिया का प्रमुख आयातक था जिसके बाद चीन और नेपाल का स्थान था।

इसी तरह, भारत में महंगी कीमतों के कारण वर्ष 2022-23 में धनिया का आयात बढ़ गया। कम उपलब्धता और अधिक घरेलू कीमतों के कारण भारतीय खरीदारों को वैश्विक बाजार से, विशेष रूप से रूस से, धनिया आयात करने के लिए प्रेरित किया। भारत ने पिछले वर्ष के 11.3 हजार टन की तुलना में अप्रैल 22-फरवरी 23 की अवधि के दौरान लगभग 20 हजार टन धनिया का आयात किया, जो साल-दर-साल 77% अधिक है।

## आउटलुक

धनिया वायदा (जून) की कीमतों के तेजी के रुझान के साथ मिला-जुला कारोबार करने की संभावना है क्योंकि उत्पादन में गिरावट की उम्मीद में बाजार में शॉर्ट कवरींग हो सकती है। हाल ही में बेमौसम बारिश के कारण राजस्थान में उपज नुकसान और फसल क्षति की रिपोर्ट से बाजार में शॉर्ट कवरींग शुरू होने की संभावना है। हालांकि, राजस्थान और गुजरात में बंपर उत्पादन अनुमानों के कारण लाभ सीमित रहने की संभावना है। आपूर्ति में अधिक सुधार होने की उम्मीद है जो कीमतों में अहम बढ़त को सीमित कर सकता है।

## धनिया वायदा का मासिक चार्ट



कीमतों को 6400 के पास सपोर्ट मिला और आने वाले हफ्तों में 7300 पर रेजिस्टेंस का सामना करने की संभावना है। धनिया (जून) वायदा आने वाले हफ्तों में 6400 -7300 के दायरे में कारोबार कर सकता है।

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- [www.smctradeonline.com](http://www.smctradeonline.com)



**Corporate Office:**  
11/6B, Shanti Chamber,  
Pusa Road, New Delhi - 110005  
Tel: +91-11-30111000  
[www.smcindiaonline.com](http://www.smcindiaonline.com)

**Mumbai Office:**  
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,  
Graham Firth Steel Compound, Off Western  
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon  
(East) Mumbai - 400063  
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

**Kolkata Office:**  
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,  
5th Floor, Kolkata-700001  
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000  
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार को जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशांसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्यूनिटी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह प्युतुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएसएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथारिटी द्वारा सिक्वोरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

**दिसक्लेमर:** यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक को किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सब्सक्रिप्शन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्वस सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में चिह्नित किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोझिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होगा।